# एम. ए. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(सत्र 2012–13 से आरंभ)

# एम. ए. (हिंदी) का नया पाठ्यक्रम

## (सत्र 2012–13 से आरंभ)

द्विवर्षीय एम0 ए0 (हिंदी) का शैक्षिक कार्यक्रम चार सेमेस्टर में सम्पन्न होता है। इसमें कुल 16 पाठ्यक्रम हैं, जिनमें 14 बीज पाठ्यक्रम हैं और 2 वैकल्पिक पाठ्यक्रम। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा – 70 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए होंगे और 30 अंक संगोष्ठी/अधिन्यास/मौखिकी (एसाइनमेन्ट) कार्य के लिए।

पाठ्यक्रमों का सत्रानुसार विवरण इस प्रकार है :

## एम. ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष

पहला सत्र (पावस सत्र)

पहला प्रश्नपत्र – आधुनिक काव्य

दूसरा प्रश्नपत्र – कथेतर गद्य विधाएँ

तीसरा प्रश्नपत्र – भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

चौथा प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

दूसरा सत्र (शीतकालीन सत्र)

पांचवाँ प्रश्नपत्र – छायावादोत्तर काव्य

छठा प्रश्नपत्र – कथा–साहित्य

सातवाँ प्रश्नपत्र – आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

आठवाँ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)– मूलभाषा (संस्कृत/प्राकृत/पालि/अपभ्रंश)

अथवा

आधुनिक भारतीय भाषा(बांग्ला/मराठी/कन्नड़/उर्दू/तमिल/तेलुगु)

( कोई एक )

## एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष

### तीसरा सत्र (पावस सत्र)

नवाँ प्रश्नपत्र – आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य

दसवाँ प्रश्नपत्र – सगुण भक्ति काव्य

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र – भारतीय काव्यशास्त्र

बारहवाँ प्रश्नपत्र – आधुनिक भारतीय साहित्य

### चौथा सत्र (शीतकालीन सत्र)

तेरहवाँ प्रश्नपत्र – रीतिकाव्य

चौदहवाँ प्रश्नपत्र – पाश्चात्य साहित्य–सिद्धांत

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र – हिंदी समीक्षा

सोलहवाँ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) – एक साहित्यकार

(कबीर / जायसी / सूर / तुलसी / भारतेन्दु हरिश्चन्द्र / प्रेमचंद / प्रसाद / निराला / रामचन्द्र शुक्ल / हजारीप्रसाद द्विवेदी / अज्ञेय / मुक्तिबोध / यशपाल / जैनेन्द्र / अमृतलाल नागर / दिनकर / फणीश्वरनाथ रेणु / नागार्जुन / भीष्म साहनी / रामविलास शर्मा / नामवर सिंह)

**अथवा** एक साहित्यिक प्रवृत्ति(संतकाव्य / रीतिकाव्य / छायावाद / स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य / स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा–साहित्य / स्त्री अध्ययन और साहित्य / दलित अध्ययन और साहित्य / सिनेमा और हिंदी साहित्य)

**अथवा** एक भाषापरक या अन्य विषय (हिंदी भाषा शिक्षण / अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग / प्रयोजनमूलक हिंदी / बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति / हिंदी पत्रकारिता : इतिहास, सिद्धांत और प्रयोग / हिंदी नाटक एवं रंगमंच / हिंदीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिंदी साहित्य / भारतीय साहित्य / लोक साहित्य) का विशेष अध्ययन।

एम0 ए0 (हिंदी) प्रथम वर्ष

पहला प्रश्नपत्र

आधुनिक काव्य

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X′ 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 ′x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 ′x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा (अंश : सिद्धार्थ, महाभिनिष्क्रमण)

2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

3 निराला : अनामिका (राम की शक्तिपूजा)

4 सुमित्रानंदन पंत : तारापथ (नौका विहार, एक तारा, परिवर्तन, द्रुत झरो)

5 महादेवी वर्मा : दीपशिखा (पंथ होने दो अपरिचित, जो न प्रिय पहचान पाती, मोम–सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)

6 रामधारी सिंह दिनकर :

उर्वशी (सुकन्या–औशनरी संवाद ), जनतंत्र का जन्म, समर शेष है, भारत का रेशमी नगर (संचयिता– संपा0 रामधारी सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।)

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी, भारतीय भंडार, इलाहाबाद
2. कामायनी – एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
4. सुमित्रानंदन पंत : डॉ. नगेन्द्र
5. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली,

7. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली, 1973

8. छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

9. दिनकर : विजेन्द्रनारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

10. मैथिलीशरण गुप्त : रेवतीरमण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

11. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह दिनकर
12. क्रांतिकारी कवि निराला : डा. बच्चन सिंह
13. आत्महंता आस्था : निराला : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. प्रसाद स्मृति वातायन : विद्यानिवास मिश्र
15. अंतरंग संस्मरणों में जयशंकर प्रसाद : सं. पुरुषोत्तम मोदी

दूसरा प्रश्नपत्र

कथेतर गद्य विधाएँ

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 चिंतामणि (भाग–एक) : रामचंद्र शुक्ल ( निबंध –भाव या मनोविकार, करुणा, कविता क्या है)

2 अशोक के फूल : हजारीप्रसाद द्विवेदी ( निबंध – बसंत आ गया है, अशोक के फूल, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)

3 स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद

4 आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

5 आगरा बाजार : हबीब तनवीर

6 कुल्ली भाट : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

5 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली

6 पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

7 हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी

7 रंग परम्परा – नेमिचन्द्र जैन

8 जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा

9 नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली

10 हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ0 नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना

11 समकालीन हिन्दी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

12 जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि, रा. ना. वि. नयी दिल्ली

13 जयशंकर प्रसाद : रंगसृष्टि, रा. ना. वि. नयी दिल्ली

14 रंग हबीब – भारतरत्न भार्गव,

15 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल –रामचन्द्र तिवारी

16 निराला– रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

17 समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

18 मोहन राकेश – आभा गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

19 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक – रामचन्द्र तिवारी

20 नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी

21 हिन्दी निबंध और निबंधकार– रामचन्द्र तिवारी

22 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह

23 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

तीसरा प्रश्नपत्र

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

**पाठ्यांश :**

1. भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, और विशेषताएं। भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
2. भाषा विज्ञान– परिभाषा एवं स्वरूप, अंग, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ और प्रमुख शाखाएँ।
3. स्वनिम विज्ञान– परिभाषा, स्वन, संस्वन, स्वनिम, स्वन यंत्र, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, स्वनिम विज्ञान एवं स्वनिम के भेद।
4. रूपिम विज्ञान– शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थतत्व, रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण।
5. वाक्य विज्ञान– वाक्य की परिभाषा, वाक्य–रचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
6. अर्थ विज्ञान– शब्द–अर्थ–सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
7. हिन्दी भाषा का विकास– अवधी, ब्रज एवं खड़ीबोली की सामान्य विशेषतायें और उनका साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
8. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

**अनुशंसित ग्रंथ :**

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

4. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
5. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार – डॉ0 रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना।
9. नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली।
10. समसामयिक हिंदी में रूपस्वानिमिकी – सुधाकर सिंह
11. अर्थविज्ञान एवं व्याकरण दर्शन – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
12. हिन्दी–भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी
13. लिपि, वर्तनी और भाषा – डॉ. बद्रीनाथ कपूर
14. हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना – डॉ. अर्जुन तिवारी
15. हिन्दी भाषा साहित्य और नागरी लिपि – डॉ. कन्हैया सिंह
16. हिन्दी भाषा (भाग–1) – डॉ. कन्हैया सिंह
17. भाषा विज्ञान की रूपरेखा– डॉ0 हरीश शर्मा

## चौथा प्रश्नपत्र

## हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

**पाठ्यांश :**

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परम्पराएं–सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।
2. भक्ति आंदोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और हिन्दी क्षेत्र।
3. भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएं। प्रमुख निर्गुण संत, प्रमुख सगुण भक्त, हिन्दी में भक्ति कविता की मुख्य धाराएं, निर्गुण और सगुण भक्ति कविता की सामान्य विशेषताएं।
4. भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएं।
5. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीति कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएं।
6. उर्दू साहित्य का इतिहास (1857 तक)

अनुशंसित ग्रंथ :


1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग–एक) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. साहित्य का इतिहास–दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद।
12. प्रो0 एहतेशाम हुसैन – उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास : वशिष्ठ अनूप
14. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयपाल सिंह
15. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शंभुनाथ शुक्ल
16. कबीर–वाङ्‌मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
17. कबीर–वाङ्‌मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
18. कबीर–वाङ्‌मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
19. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
20. हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
21. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
22. बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
23. रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन –डॉ. शिवनारायण सिंह
24. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
25. रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह

## पाँचवाँ प्रश्नपत्र

## छायावादोत्तर काव्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)

2 आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्य वीणा)

3 प्रतिनिधि कवितायें : नागार्जुन (मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थीं, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)

4 प्रतिनिधि कवितायें : शमशेर बहादुर सिंह (टूटी हुई बिखरी हुई, उषा, एक पीली शाम, लौट आ ओ धार )

5 संसद से सड़क तक : धूमिल (पटकथा)

6 तॉल्सतॉय और साइकिल : केदारनाथ सिंह (पांडुलिपियाँ, समूह गायन, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर, ताल्सतॉय और साइकिल)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2 नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली

4 समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली

5 समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

6 समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

7 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

8 साहित्य और समय – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

9 कविता के नये प्रतिमान –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

10 मिट्टी की रोशनी – अनिल त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली

11 एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

12 कविता और समाज : अरुण कमल , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

13 मेरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

14 कवियों की पृथ्वी : अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, नयी दिल्ली

15 साठोत्तरी हिन्दी कविता में लोक सौन्दर्य : श्रीप्रकाश शुक्ल, लोक भारती , इलाहाबाद

16 आधुनिकता और उपनिवेश : कृष्णमोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

17 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

18 कविता का जनपद : सं. अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

19 समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

20 कविता : पहचान का संकट : नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

21 कविता और संवेदना : विजय बहादुर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन

22 साठोत्तरी कविता : परिवर्तित दिशायें : विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान

23 धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता : श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद

24 हिन्दी की प्रगतिशील कविता : लल्लन राय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़

25 नयी कविता का समाजशास्त्र : मनोज कुमार सिंह, प्रकाशन वाराणसी

26 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

27. हिन्दी की जनवादी कविता : वशिष्ठ अनूप

छठा प्रश्नपत्र

कथा साहित्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 गोदान : प्रेमचंद

2 बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद द्विवेदी

3 शेखर – एक जीवनी : अज्ञेय

4 झूठा सच : यशपाल

5 कहानियाँ – कहानी संग्रह–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

कफ़न (प्रेमचन्द), परिन्दे (निर्मल वर्मा), जिंदगी और जोंक (अमरकांत), कोसी का घटवार (शेखर जोशी), तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु), नन्हों (शिवप्रसाद सिंह) चीफ की दावत (भीष्म साहनी),भोलाराम का जीव (हरिशंकर परसाई), घंटा (ज्ञानरंजन), कविता की नयी तारीख (काशीनाथ सिंह), धर्मक्षेत्रे कुरूक्षेत्रे (दूधनाथ सिंह), तिरिछ (उदयप्रकाश)

(व्याख्याएं कहानियों से नहीं पूछी जाएंगी।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2 प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान,

3 उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी – त्रिभुवन सिंह

4 अज्ञेय का कथा साहित्य – ओम प्रभाकर

5 विवेक के रंग – देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

6 हिंदी उपन्यास – शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी

7 अधूरे साक्षात्कार – नेमिचन्द्र जैन

8 कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

9 कहानी आंदोलन की भूमिका – बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10 आज की हिंदी कहानी – विजय मोहन सिंह, दिल्ली

11 उपन्यास : स्थिति और गति– चंद्रकांत बॅड़दिवेकर

12 उपन्यास का इतिहास –गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

13 यशपाल – कमला प्रसाद, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

14 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

15 हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

16 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

17 नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ. रामकली सर्राफ

18 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

सातवाँ प्रश्नपत्र

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | – 4 | X 10 | = | 40 |
| चार लघु उत्तरीय प्रश्न | – 4 | X 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – 10 | X 1 | = | 10 |

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मंडल, 19वीं शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र–पत्रिकाएं, भारतेन्दुकालीन साहित्य की विशेषताएँ।
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, 'सरस्वती' और हिंदी नवजागरण, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।
3. हिंदी में गद्य विधाओं का उदय, उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध का विकास, प्रेमचंद और रामचंद्र शुक्ल का महत्व
4. छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख छायावादी कवि
5. प्रगतिशील साहित्य की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख प्रगतिशील साहित्य, प्रयोगवाद और नयी कविता,

6.1 स्वातंत्र्योतर हिन्दी उपन्यास, नयी कहानी, अकहानी

6.2 समकालीन साहित्य

6.3 आधुनिक उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

2 हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

3 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।

4 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

5 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।

6 हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

7 हिंदी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास –अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी

8 इतिहास और आलोचना– नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

9 साहित्य और इतिहास दृष्टि –मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

10 गद्य साहित्य : विकास और विन्यास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

11 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

12 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

13 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह

## आठवाँ प्रश्नपत्र

इस प्रश्नपत्र में मूल भाषाओं अथवा प्रादेशिक भाषाओं में से कोई एक लेनी होगी। प्रत्येक छात्र मूल भाषाओं–संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश में से कोई एक भाषा ले सकता है, किंतु जिसने इंटरमीडिएट या इससे ऊपर के पाठ्यक्रम में इनमें से कोई भी भाषा पढ़ी होगी वह उस भाषा को एम0 ए0 में नहीं ले सकेगा।

# संस्कृत

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 रघुवंशम् : कालिदास (द्वितीय सर्ग)

2 पंचतंत्र (मित्र सम्प्राप्ति)

3 व्याकरण –

स्वर संधि – दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि।

व्यंजन संधि – अनुस्वार संधि, श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व।

विसर्ग संधि – सत्व, रुत्व, उत्व, विसर्ग लोप।

शब्द रूप – राम, हरि, गुरु, फल, बालिका।

सर्वनाम – अस्मद्, युष्मद्।

धातु रूप – भू, पठ्, लिख् (केवल लट्, लोट, लङ्, विधि लिङ्. और लृट्)

समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु और बहुब्रीहि।

अनुशंसित ग्रंथ :


1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी
2. संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा, वाराणसी
3. संस्कृत व्याकरण – ह्विट्ने, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. संस्कृत व्याकरण – सुदर्शन लाल जैन, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी
6. संस्कृत साहित्य का भाषाशास्त्रीय अध्ययन –डॉ. भोलाशंकर व्यास
7. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी –डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. संस्कृत–व्याकरण एवं लघुसिद्धान्त कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

# पालि

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 पालि जातकावली – पं0 बटुकनाथ शर्मा (1 से 12 जातक तक)

2 धम्मपद – भिक्षुधर्मरक्षित (1 से 12 जातक तक)

(व्याख्याएं दोनों से पूछी जाएंगी।)

3 व्याकरण – स्वर संधि – सरोलोपों सरे, परोवाचि, न देवायु – वाण्णनने लीलता, यवा सरे, सवो न, गोस्सा वड0 , व्यंजन संधि– व्यष नेदवीघरस्सा, सरम्हादे, चतुत्थ दुतिये वण्णं ततिव पटमा, वे वा, ए ओ न प वण्णे,

नामरूप पुलिंग – दंडी, गो,

स्त्रीलिंग – लता रति, इत्थी, धेनु, वधू

स्वर और व्यंजन परिवर्तन के सामान्य नियम।

शब्द रूप – बुद्ध, फल, लता, मुनि, इत्थी,

संज्ञा, सर्वनाम –भिक्खु, गो, अन्त, अम्ह, तुम्ह, त

कृदन्त – तब्ब, जनीय, न्त, मान, इस

धातु रूप – भू, हस्, पठ्।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. पालि महाव्याकरण – भिक्षु जगदीश कश्यप, बोधि महासभा, सारनाथ, वाराणसी

2. पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

3 पालि–प्राकृत–अपभ्रंश–संग्रह – डॉ. रामअवध पाण्डेय

4 पालि–संग्रह– डॉ. रविनाथ मिश्र

5 पालि साहित्य का इतिहास – डॉ. कोमलचंद्र जैन

# प्राकृत

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X′ | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | ′x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | ′x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 राजशेखर – कर्पूरमंजरी (संपूर्ण)

2 गाथा सप्तशती – प्रथम 100 गाथाएं।

3 व्याकरण –

संधि – (स्वर संधि, व्यंजन संधि)

ध्वनि परिवर्तन – स्वर एवं व्यंजन संबंधी परिवर्तन।

शब्द रूप – पुलिंग – पुत, वाऊ, पिअर (पिउ)।

नपुंसक लिंग – फल, वहि, मुह

स्त्रीलिंग – माला रुई, वैणु, वूह

सर्वनाम – युष्मद्, अस्मद, तद् (तीनों लिंग में)

तद्धित – आलु, आल, हल्ल, उल्ल, त्त, त्तण, क, इव, मत्।

कृदन्त – सूर, तुम, अ, तण, तुआण, ता।

धातु रूप – वट्ट, हस, पठ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्राकृत प्रकाश (वररुचि) : सरयू प्रसाद अग्रवाल, ओरिएंटल बुक एजेन्सी, पूना।

2 प्राकृत साहित्य का इतिहास – जगदीश चन्द्र जैन

3 पालि–प्राकृत–अपभ्रंश–संग्रह – डॉ. रामअवध पाण्डेय

# अपभ्रंश

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग (नामवर सिंह)– सरहपा, कण्हपा, देवसेन, जोइंदु, रामसिंह, अब्दुर्रहमान, सोमप्रभ, प्रबंध चिंतामणि, हेमचंद्र (छंद सं0 100 तक)।

2 अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य के विकास का परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग – नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

2 अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़

3 अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव –रामसिंह तोमर, हिंदी परिषद, इलाहाबाद

4 अपभ्रंश भाषा का अध्ययन – वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस0 चंद एण्ड कंपनी, दिल्ली।

5 पुरानी हिंदी – चंद्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

6 अपभ्रंश के धार्मिक मुक्तक और हिंदी संतकाव्य – सदानंद शाही, लोकभारती, इलाहाबाद।

7 पालि–प्राकृत–अपभ्रंश–संग्रह – डॉ. रामअवध पाण्डेय

8 पूर्वी अपभ्रंश भाषा – डॉ. राधाकान्त मिश्र

## प्रादेशिक भाषाएं

मूल भाषाओं के स्थान पर प्रादेशिक भाषाएं ली जा सकेंगी। इनमें से बांग्ला, मराठी, उर्दू, तेलुगु, कन्नड़ तमिल भाषाओं में से किसी एक आधुनिक प्रान्तीय भाषा का अध्ययन अपेक्षित है। आधुनिक प्रादेशिक भाषाओं में से केवल वही भाषा ली जा सकती है, जो परीक्षार्थी की मातृभाषा न हो।

### बांग्ला

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X′ 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 ′x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 ′x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 रामेर सुमति – शरद चन्द्र चट्टोपाध्याय।

2 कथा ओ काहिनी – रवीन्द्रनाथ ठाकुर।

3 साहित्य का इतिहास – बांग्ला साहित्येतर कथा – सुनीति कुमार चट्टोपाध्याय।

# मराठी

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 शांतता कोर्ट चालू आहे (नाटक) – विजय तेंडुलकर, नीलकंठ प्रकाशन, पुणे।

2 व्यक्ती आणि वल्ली (व्यक्ति चित्रण) – पु0ल0 देशपांडे, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई

3 मराठी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

4 हिंदी से मराठी में और मराठी से हिंदी में अनुवाद।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिंदी से मराठी स्वयंशिक्षक – म0सु0 कुलकर्णी, चित्रशाला प्रकाशन, पुणे।

2 मराठी स्वयंशिक्षक – डॉ0 ग0न0 साठे, महाराष्ट्र सभा, पुणे।

3 आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास – सूर्यनारायण रणसुभे

4 मराठी का आधुनिक साहित्य – मि0 सी0 देशपांडे

5 महाराष्ट्र सारस्वत – भावे एवं तुलपुले, पापुलर प्रकाशन, मुंबई

# तेलुगु

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 पी. पी. हनुमन्त राव – साहित्यसमालोचनम् (केवल साहित्योद्देशमु विमर्श कलोपासकुडु, कवि चित्रकारुडु नामक निबंध)

2 गुरजाड अप्पाराव : अण्णि मुत्थालु (केवल मेटिलड़ा और दिद्दुवाटु नामक कहानियाँ)

3 तेलुगु साहित्य के संक्षिप्त इतिहास के अन्तर्गत केवल निम्न दस युगों तथा लेखकों के बारे में अति साधारण परिचय प्राप्त करना आवश्यक है।

1– तेलुगु साहित्य का आदिकाल, 2– कवित्रययुगमु, 3– श्रीनाथ युगमु, 4– प्रबंधयुगमु, 5– दक्षिण शुवागमु, 6– क्षीणयुगमु, 7– आधुनिक युगमु, 8– नन्य, 9– तिक्कन, 10– एर्रन, 11– श्री नायडू, 12– पोतन, 13– वेमन, 14– श्रीकृष्णदेवरायलु, 15– सरन्न, 16– रामकृष्णु, 17– विन्नवसूरि, 18– वीरेशलिंगम्, 19– गुरजाड, अप्पाराव, 20– राय प्रोलु सुब्बा राव, 21– विश्वनाथ सत्यनारायण, 22– करुण्त्री, 23– श्रीनारायण रेड्डी, 24– दाशरथी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 बालशौरि रेड्डी : तेलुगु साहित्य का इतिहास – सं0 लक्ष्मीरंजयम् और अनु0 कु0 दयावन्ती तेलुगु साहित्य का इतिहास (उपर्युक्त दोनों ग्रन्थ चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी में उपलब्ध होते हैं)।

2 वेमूरि राधा कृष्ण : तेलुगु के आधुनिक कवि।

3 तेलुगु स्वयं शिक्षक (अंतिम दोनों ग्रंथ दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास से प्राप्त हो सकते हैं।)

# कन्नड़

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 विमर्श भाग– 1, श्रीनिवास – श्रीमती व्यंकटेश आयंगर, वावीपुरम इन्टेन्शन, बंगलोर–19

2 गरुड़ दौस्या – श्रीगौर रामस्वामी आयंगर सत्यशोधन प्रकटन मंदिर, फोर्ट, बंगलोर।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 कन्नड़ साहित्य चरित्र – डॉ0 आर0 एस0 मगली, उषा साहित्य माला, मैसूर–1

(व्यास युग, कुमार व्यास युग और आधुनिक युग से परिचयात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। )

# उर्दू

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 खत किताबत (दूसरी किताब), मकतबा जामिया लिमिटेड।

2 खत किताबत (तीसरी किताब), मकतबा जामिया लिमिटेड।

3 इस्मत चुगताई : तीन अनाड़ी – मकतबा जामिया लिमिटेड।

4 प्रो. एहतेशाम हुसेन : उर्दू की कहानी – इदारा फरागे उर्दू, अमीर–ए–द्यौला पार्क, लखनऊ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्रो0 एहतेशाम हुसैन – उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली।

# तमिल

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X′ | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | ′x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | ′x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

## पाठ्यांश :

1- Cirukatha is Kalaniva and by Dr. C. Chet iar Sahitya Akademi, New Delhi (The first ten stories).

2- Ulagam Curinan by C. Subramaniam Amamda Niketan, Madras (Teh first Five Chapter). Books Recommended :

## अनुशंसित ग्रंथ :

1- Tamil Sahitya aur Sanskrit : Awadh Nandan, Bihar Rashtra Bhasha Samiti, Patna

2 -ABC of Tamil, Paari Nilayam, Madras-1

3 -Tamil Course for Eropean School Kerslake and Aiver, C.I.S. Book

4- Tamil Sahitya ka Itihas by Puranam Somasundaram.

एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष

नवाँ प्रश्नपत्र

आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1. पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई : (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) शशिव्रता विवाह– आरंभ से 30 छंद
2. कीर्तिलता : विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) केवल द्वितीय पल्लव
3. पदावली : विद्यापति (शिवप्रसाद सिंह) 20 पद (पद सं. 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10,16, 36, 51, 54, 63,68,79,81, 82, 94, 95, 102)
4. कबीर ग्रंथावली (सं. श्यामसुंदर दास)– साखी : विरह कौ अंग, कस्तुरिया मृग कौ अंग 20 पद (सं. 2, 3, 11, 18, 24, 39, 40, 41, 44, 51, 55, 59, 67, 69, 72, 92, 165,180, 186,249)
5. जायसी ग्रंथावली (सं0 रामचन्द्र शुक्ल)– सिंघलद्वीप वर्णन

अनुशंसित ग्रंथ :


1. पृथ्वीराज रासो की भाषा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
3. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. कीर्तिलता और विद्यापति का युग – अवधेश प्रधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

6. जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
7. सूफी मत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
8. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
9. नाथपंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
10. संत साहित्य – राधेश्याम दुबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. चंदबरदाई – शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
12. जायसी – सं0 सदानंद शाही, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
13. कबीर की खोज – राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. पूरा कबीर –सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
15. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय
16. कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
17. कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
18. कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
19. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्दनाथ उपाध्याय
20. हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
21. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
22. बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
23. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
24. रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह
25. कबीर और भारतीय संत साहित्य – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
26. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह

## दसवाँ प्रश्नपत्र

## सगुण भक्ति काव्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1. भ्रमरगीत सार : सूरदास (सं. रामचन्द्र शुक्ल)– ( 7, 8, 23, 25, 34, 38, 41, 42, 52, 62, 64, 75, 83, 85, 89, 92, 95, 100, 101, 102, 103, 105, 111, 121, 171)
2. रामचरित मानस : तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)– बाल कांड (दोहा 35 से 43), अयोध्याकांड (दोहा 252 से 269)
   कवितावली (गीता प्रेस संस्करण) : उत्तरकांड (सं. 39, 40, 47, 57, 69, 70, 71,72, 82, 83, 84, 85, 96, 97, 98, 99, 106, 107, 171, 174) (20)
3. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ( 15 पद– मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्या री, म्हांरा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राँची, मैं गिरधर के घर जाऊं, माई री म्हॉ लियां गोविदाँ मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, थें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थारो देसलड़ों रंगरूड़ों, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघर्या णाच्यारी, राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो।

4 रसखान : (रसखान रचनावली –सं. विद्यानिवास मिश्र) 11, 17, 23, 24, 30, 32, 37, 59, 74, 75, 81, 103, 107, 116, 135

अनुशंसित ग्रंथ :

1 सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2 महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली

3 सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई

4 गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

5 गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी

6 तुलसी आधुनिक वातायन से –रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

7 परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

8 भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र, दिल्ली

9 भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली

10 लोकवादी तुलसीदास– विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

11 भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दुबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी

12 मीराबाई – श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी।

13 मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन –सं. पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला

14 तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन –सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला

15 रसखान – श्यामसुन्दर व्यास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

16 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

## ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र

## भारतीय काव्यशास्त्र

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न — 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न — 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1.1 काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।

1.2 काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन

2 रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

3 ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व।

4 अलंकार सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय।

5 रीति सिद्धांत – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।

6.1 वक्रोक्ति सिद्धांत– वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व।

6.2 औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

अनुशंसित ग्रंथ

1 भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश–त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना।

2 रसमीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

3 संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय

4 रस प्रक्रिया – शंकरदेव अवतरे, दिल्ली

5 हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स – पी0 बी0 काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

6 काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

7 भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

8 ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी

9 काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

10 भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

11 भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य–परम्परा – डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी

12 ध्वन्यालोकः – आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल

बारहवाँ प्रश्नपत्र

आधुनिक भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | – | 4 X | 10 | = | 40 |
| चार लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 4 X | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 X | 1 | = | 10 |

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

(सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियां ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं। इनसे व्याख्याएं नहीं पूछी जाएगीं।)

उपन्यास :

1. गोरा : रवीन्द्रनाथ टैगोर
2. उदास नस्लें : अब्दुल्ला हुसैन
3. मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै (मलयालम)
4. संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

नाटक :

हयबदन : गिरीश कर्नाड (कन्नड़)

कविता :

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर : अभिसार, धूलि मंदिर, भारत तीर्थ, मुक्ति
2. पाश : मैं अब विदा लेता हूँ मेरी माँ की आँखें, सबसे खतरनाक, धर्म दीक्षा के लिए विनयपत्र
3. वरवर राव : एक हाथ और दूसरा हाथ, तुम्हारे लिए मेरा ख़ामोशी में एक मौलिक संशोधन, अम्मा, आवाज़
4. फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : सुब्हे आजादी, मुझसे पहली सी मुहब्बत मिरे महबूब न माँग, शाम, याद।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स : सं. के. एस. आर. आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली

2 कंपरेटिव लिटरेचर : नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

3 भारतीय साहित्य : नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी

4 भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी

5 भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

6 संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर, उदयाचल, पटना

7 मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली

8 आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नखणे, राजकमल, दिल्ली

# तेरहवाँ प्रश्नपत्र

## रीतिकाव्य

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X′ 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 ′x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 ′x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1. केशवदास (रीति काव्य धारा– सं. रामचंद्र तिवारी) : कविप्रिया (संपूर्ण अंश), रसिकप्रिया (संपूर्ण अंश)
2. बिहारी (सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) : दोहा सं0 1, 3, 6, 9, 14, 20, 27, 31, 35, 40, 41, 42, 43, 47, 56, 61, 76, 78, 85, 89, 96, 101, 107, 119, 123, 170, 183, 191,197ए 238, 241, 248, 270, 296, 305, 318, 326, 330, 340, 357, 368, 376, 388, 393, 395, 403, 414, 438, 451, 464 (50)
3. घनानंद (घनानंद कवित्त– सं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र) : छंद सं0 19, 25, 43, 44, 50, 68, 70,71, 75, 80, 82, 84, 86, 91, 94,(15)
4. देव (देव की दीपशिखा– सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन) : छंद संख्या 4, 5, 26, 33,37,40, 42, 47, 53, 60, 62, 64, 66, 68, 72, 73, 74, 86, 108, 118 (20)
5. सेनापति : (सं. उमाशंकर शुक्ल) पहली तरंग 27, 40, 79, 92
   दूसरी तरंग 6, 7, 8, 12, 21
   तीसरी तरंग 28,33,39, 46, 50, 56, 60, 61 (15)
6. गालिब : दीवान–ए– गालिब (10 गजलें)– दिले–ए– नादाँ तुझे हुआ क्या है,

   हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी, दिल ही तो है ना संग ओ खिस्त,

   बाज़ीचा ओ अत्फाल है दुनिया मेरे आगे, ये न थी हमारी क़िस्मत,

   इश्क मुझको नहीं वहसत ही सही, ,न था कुछ तो खुदा था,

   नक़्श फरयादी है, हर बात पे कहते हो, आह को चाहिए।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

2 रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

3 केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, दिल्ली

4 बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

5 घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

6 मध्युगीन काव्य प्रतिभाएँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

7 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

8 रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन –डॉ. शिवनारायण सिंह

चौदहवाँ प्रश्नपत्र

पाश्चात्य साहित्य – सिद्धांत

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | – | 4 X | 10 | = | 40 |
| चार लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 4 X | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 X | 1 | = | 10 |

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

(क) 30 अंक

1.1 प्लेटो – प्रत्यय सिद्धान्त, काव्य प्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप।

1.2 अरस्तू – अनुकृति, विरेचन, त्रासदी, प्लेटो और अरस्तू।

1.3 लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।

2. टी0 एस0 इलियट –परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निवैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण।

3.1 आई0 ए0 रिचड्र्स – मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत।

(ख) 40 अंक

3.2 नई समीक्षा की प्रमुख अवधारणाएं।

4.1 मार्क्सवादी समीक्षा

4.2 यथार्थवाद

4.3 साहित्य का समाजशास्त्र

5. आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म) और स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म),

6. साहित्यिक शैली विज्ञान, संरचनावाद, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकता, उत्तर औपनिवेशिकता का सामान्य परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ :


1. लिटरेरी क्रिटिसिज्म –ए शॉर्ट हिस्ट्री : विम्डासाट विलियम्स के एंड क्लीन्थ बुक्स, लंदन।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली
4. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ. भागीरथ मिश्र
9. साहित्य का मूल्यांकन – डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड, अनु. डॉ. रामचन्द्र तिवारी
10. आलोचक का दायित्व – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
11. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
13. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र

हिंदी समीक्षा

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | – | 4 X | 10 | = | 40 |
| चार लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 4 X | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 X | 1 | = | 10 |

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. रामचंद्र शुक्ल के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
3. नंद दुलारे वाजपेयी के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
4. रामविलास शर्मा के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
5. नामवर सिंह के आलोचना–कर्म का सम्यक् परिशीलन
6. अज्ञेय और मुक्तिबोध के साहित्य चिंतन का आकलन

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली
3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय, इलाहाबाद
9. हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली

10. समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना : रामबक्ष

11. नामवर की धरती : श्रीप्रकाश शुक्ल, आधार प्रकाशन, पंचकूला
12. नामवर विमर्श : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली

13. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा (सं. कमला प्रसाद ), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

14. औरत :अस्तित्व और अस्मिता : अरविंद जैन, सारांश प्रकाशन, दिल्ली

15. आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
16. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

17. आलोचक का दायित्व – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

18. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

19. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

20. साहित्य का मूल्यांकन – डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड, अनु. डॉ. रामचन्द्र तिवारी

21. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक – रामचन्द्र तिवारी

22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : रामचन्द्र तिवारी

23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश : रामचन्द्र तिवारी

## सोलहवाँ प्रश्नपत्र

## विशेष अध्ययन

नोट : इस प्रश्नपत्र से निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से करना होगा।

क साहित्यकार विशेष :

कबीर, जायसी, सूर, तुलसी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, यशपाल, जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, दिनकर, नागार्जुन, रेणु, भीष्म साहनी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।

ख साहित्य–प्रवृत्ति विशेष : संतकाव्य, रीतिकाव्य, आधुनिक हिंदी साहित्य (1919–1947), स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य, स्त्री अध्ययन और साहित्य , दलित अध्ययन और साहित्य ,सिनेमा और हिंदी साहित्य।

ग भाषा परक एवं विविध : हिन्दी भाषा शिक्षण, अनुवाद : सिद्धान्त एवं प्रयोग, प्रयोजनमूलक हिंदी, बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति, हिंदी पत्रकारिता : इतिहास–सिद्धान्त और प्रयोजन, हिन्दी नाटक एवं रंगमंच, हिन्दीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिन्दी साहित्य, भारतीय साहित्य, लोक साहित्य।

# कबीर

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

कबीर ग्रन्थावली : (सम्पादक : श्यामसुन्दर दास) नागरी प्र. स. काशी–निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, चाणक कौ अंग, सुरा तन कौ अंग
कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (कबीर वाणी संपूर्ण)

अनुशंसित ग्रन्थ :


1. संत कबीर :रामकुमार वर्मा
2. कबीर साहित्य की परख : आ0 परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर : डॉ0 वासुदेव सिंह
4. बीजक की भाषा : शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 शुकदेव सिंह
5. कबीर के सबद : डॉ0 शुकदेव सिंह
6. कबीर–मीमांसा : रामचंद्र तिवारी
7. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायन
8. कबीर की खोज : राजकिशोर (सं.)
9. कबीर : पूर्ण मूल्यांकन : बलदेव वंशी (सं.)
10. कबीर : विजेन्द्र स्नातक (सं.)
11. बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी : धर्मवीर
12. कबीर के आलोचक : धर्मवीर
13. भक्ति का सन्दर्भः देवी शंकर अवस्थी
14. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह
15. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. सूफी मत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी।
17. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी।

18 नाथ पंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

19 संत साहित्य – राधेश्याम दुबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

20 कबीर की खोज – राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

21 पूरा कबीर –सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली

22 कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह

23 कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह

24 कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह

25 गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय

26 हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह

27 मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

28 बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय

29 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह

30 रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह

31 कबीर और भारतीय संत साहित्य – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

32 भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह

# जायसी

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X′ | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | ′x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | ′x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

**पाठ्यांश :**

1 पद्मावत – (मानसरोदक, सिंहलद्वीप, नागमती वियोग को छोड़कर)

2 अखरावट (सम्पूर्ण)

7. आखिरी कलाम (सम्पूर्ण)

8. सूफी काव्यधारा का विकास (केवल आलोचनात्मक प्रश्न के लिए)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, काशी।

2 तसव्वुफ अथवा सूफीमत – पं0 चन्द्रबली पाण्डेय

3 हिन्दी सूफी कवि और काव्य – सरला शुक्ल

4 जायसी– विजयदेवनारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग

5 हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

6 संत साहित्य – राधेश्याम दुबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

7 जायसी – सं0 सदानंद शाही, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

# सूरदास

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1. सूरसागर–सार (संपूर्ण) – सं0 धीरेन्द्र वर्मा, नवीन संस्करण।

(I) गोकुल लीला (प्रारंभिक 30 पद)

(II) वृंदावन लीला (प्रारंभिक 100 पद)

(III) राधा–कृष्ण (प्रारंभिक 100 पद)

अनुशंसित ग्रंथ :


1 सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2 सूर–साहित्य – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3 अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय – डॉ0 दीनदयाल गुप्त – हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।

4 सूर और उनका साहित्य – डॉ0 हरिवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।

5 हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – डॉ0 रामनरेश वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

6 सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7 सूरदास और कृष्ण भक्ति काव्य : डॉ0 मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8 हिन्दी कृष्ण भक्ति साहित्य : मधुर भाव की उपासना –प्रो0 पूर्णमासी राय, भारती भवन, पटना।

9 मीरा का काव्य – डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

10 मीराबाई – डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी।

11 मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

# तुलसीदास

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X′ 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 ′x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 ′x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्य ग्रंथ :

1. रामचरित मानस (आयोध्या काण्ड – दोहा 163 से 326) –गीता प्रेस, गोरखपुर
2. कवितावली (केवल उत्तर काण्ड, 30 छंद) –छंद सं. 29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 74, 84, 88, 89, 102, 103, 108, 119, 122, 126,132, 134, 136, 140, 141, 146, 153, 155, 161, 165, 182, 229,
3. गीतावली (केवल बालकाण्ड 20 पद)–पद सं. – 7, 8, 9, 10 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97, 101, 104, 105, 106, 107, 110
4. विनय पत्रिका ( चुने हुए कुल 40 पद) –पद सं0 – 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 गोस्वामी तुलसीदास – आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

2 मानस दर्शन – डॉ0 श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी।

3 तुलसी और उनका युग– डॉ0 राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।

4 रामकथा का विकास – कामिल बुल्के हिंदी परिषद, प्रयाग।

5 मानस की रूसी भूमिका (हिन्दी अनुवाद) – वारान्निकोव, विद्यामंदिर, लखनऊ।

7 तुलसीदास – ग्रियर्सन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

8 गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी

9 तुलसी आधुनिक वातायन से –रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

10 परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

11 भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र, दिल्ली

12 भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली

13 लोकवादी तुलसीदास– विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

14 भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दूबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी

15 तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन –सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला

16 मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

# भारतेन्दु हरिश्चंद्र

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्य ग्रंथ :

1 भारतेन्दु के निबंध – सं0 डॉ0 केशरीनारायण शुक्ल, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।

2 भारतेन्दु ग्रंथावली, भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (भारत दुर्दशा, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, नीलदेवी, चंद्रावली)

3 भारतेन्दु ग्रंथावली, भाग –2, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (प्रेम मालिका, प्रेम सरोवर, प्रेम माधुरी, प्रेमाश्रुवर्षन, प्रेम प्रलाप, कृष्णचरित्र माला।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 भारतेन्दु और उनके सहयोगी – डॉ0 किशोरी लाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

2 भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3 पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास– डॉ0 रामरतन भटनागर।

4 आधुनिक हिंदी साहित्य – डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, प्रयाग।

5 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

6 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : एक व्यक्तित्व चित्र – ज्ञानचंद जैन

प्रेमचन्द

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X′ 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 ′x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 ′x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

**पाठ्यांश :**

उपन्यास– सेवासदन, प्रेमाश्रम, ग़बन, कर्मभूमि

नाटक – कर्बला।

आलोचना – साहित्य का उद्देश्य

कहानियां– कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नशा, सवा सेर गेहूँ, सद्गति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुआँ, रामलीला, पंच परमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दूध का दाम, दो बैलों की कथा।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्रेमचंद : घर में – शिवरानी देवी।

2 प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान।

3 प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

4 प्रेमचंद : कलम का सिपाही – अमृतराय।

5 प्रेमचंद – मदन गोपाल।

6 प्रेमचंद – जीवन, कला एवं कृतित्व – हंसराज रहबर।

7 प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी।

8 कथाकार प्रेमचंद – मन्मथनाथ गुप्त

9 प्रेमचंद : एक अध्ययन – राजेश्वर गुरु।

10 प्रेमचंद की उपन्यास कला – जनार्दन प्रसाद राय।

11 प्रेमचंद एवं भारतीय किसान – रामवक्ष

12 प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल

13 प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली

14 प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व – जैनेन्द्र

15 प्रेमचंद स्मृति – सं0 अमृतराय।

16 प्रेमचंद : चिंतन और कला – सं0 इन्द्रनाथ मदान।

17 प्रेमचंद और गोर्की – श्री मधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को।

18 हिंदी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचंद – नलिन विलोचन शर्मा।

19 हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

20 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

21 नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ. रामकली सर्राफ

22 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

## जयशंकर प्रसाद

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 आँसू (संपूर्ण)

2 लहर – (प्रलय की छाया, अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र–समर्पण)

3 अजातशत्रु

4 जनमेजय का नागयज्ञ

5 कामना

6 चंद्रगुप्त

7 कंकाल

8 तितली

9 कहानी : भिखारिन, प्रतिध्वनि, चूड़ीवाली, देवदासी, बिसाती, आँधी, मधुआ, बेड़ी, नीरा, व्रतभंग, गुंडा, विराम चिह्न, सलीम, सालवती, देवरथ।

10 काव्य कला तथा अन्य निबंध।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

2 नया साहित्य : नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, नई दिल्ली।

3 जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – डॉ0 रामेश्वर खण्डेलवाल

4 प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास।

5 प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेमशंकर, भारती भंडार, इलाहाबाद।

6 प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

7 प्रसाद का जीवन और साहित्य – डॉ0 रामरतन भटनागर

8 हिंदी नाटक – डॉ0 बच्चन सिंह

9 प्रसाद का गद्य साहित्य – डॉ0 राजमणि शर्मा

10 प्रसाद : दुखान्त नाटक – रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख

11 नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, मेन बाजार, गांधीनगर, दिल्ली।

12 हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

13 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

14 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

# निराला

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

काव्य – अनामिका, गीतिका, तुलसीदास, नए पत्ते।

कथा साहित्य– बिल्लेसुर बकरिहा, चतुरी चमार, देवी।

निबंध –प्रबंध प्रतिमा

अनुशंसित ग्रंथ :


1 निराला की साहित्य साधना ( भाग– 1, 2, 3), डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

2 निराला एक आत्महन्ता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद

3 क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ. बच्चन सिंह

4 निराला के पत्र – जानकी बल्लभ शास्त्री

5 महाकवि निराला : आचार्य नन्दुलारे वाजपेयी।

6 निराला : डॉ. परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

7 छायावाद – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली

8 नवजागरण और छायावाद – डॉ. महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

9 भारतीय नवोत्थान और निराला – डॉ. महेन्द्रनाथ राय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी

10 रचना प्रक्रिया और निराला – डॉ. शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद

## रामचन्द्र शुक्ल

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 चिंतामणि भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2 चिंतामणि भाग–2, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

3 चिंतामणि भाग–3, सं0 डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4 रस मीमांसा – सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणाी सभा, काशी।

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि पर भी प्रश्न पूछा जायेगा।
- व्याख्या केवल चिंतामणि से पूछी जायेगी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली

2 हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली

3 हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद

4 आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद

5 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

6 रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

7 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली

8 साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय, इलाहाबाद

9 हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली

10 रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

## आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

उपन्यास – बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, मेघदूत : एक पुरानी कहानी

निबंध– अशोक के फूल, कुटज, कल्पलता

समीक्षा– कबीर, सूर–साहित्य

इतिहास–हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी साहित्य का आदिकाल।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. शान्ति निकेतन से शिवालिक – सं0 डॉ0 शिवप्रसाद सिंह।
2. दूसरी परम्परा की खोज – डॉ0 नामवर सिंह
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी – सं0 विश्वनाथ त्रिपाठी
4. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी : डा0 त्रिभुवन सिंह
5. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य – डॉ0 चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
6. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सं0 गणपति चन्द्र गुप्त।

# अज्ञेय

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 'x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

काव्य– बावरा अहेरी, आंगन के पार द्वार, हरी घास पर क्षणभर

कथा साहित्य –नदी के द्वीप एवं मेरी प्रिय कहानियाँ

निबंध –त्रिशंकु

अनुशंसित ग्रंथ :

1 अज्ञेय का कथा साहित्य – ओम प्रभाकर।

2 अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्पविधि – सत्यपाल चुघ।

3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी

4 शिखर से सागर तक – डॉ0 रामकमल राय।

5 अज्ञेय और नयी कविता – डॉ0 चन्द्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

# मुक्तिबोध

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 चाँद का मुँह टेढ़ा है (ओ विराट स्वप्नों, हे प्रखर सत्य, जब प्रश्न चिह्न बौखला उठे, जमाने का चेहरा, ब्रह्मराक्षस, चकमक की चिनगारियाँ, चाँद का मुँह टेढ़ा है, दिमागी गुहांधकार का उरांग–उटांग)

2 कथा साहित्य – ब्रह्मराक्षस का शिष्य, काठ का सपना, पक्षी और दीमक, क्लाड ईथरली, विपात्र।

3 एक साहित्यिक की डायरी

4 नए साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना – नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
4. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया – अशोक चक्रधर, मैकमिलन, दिल्ली।
5. मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध काव्यकला के प्रतीक – चंचल चौहान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
6. नए साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र– मुक्तिबोध

# यशपाल

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

उपन्यास – देशद्रोही, दादा कामरेड, मनुष्य के रूप, मेरी तेरी उसकी बात।

कहानी –पराया सुख, तुमने क्यों कहा था मैं सुन्दर हूँ, परदा, फूलो का कुरता, प्रतिष्ठा का बोझ, संकटमोचक, मक्रील, दूसरी रात, शम्बूक, आतिथ्य, धर्मरक्षा, दाम ही दास।

निबंध –चक्कर क्लब, गांधीवाद की शव परीक्षा।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 यशपाल : हिंदी कथा साहित्य – सुरेशचन्द्र तिवारी

2 मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल – पारसनाथ मिश्र।

3 यशपाल : उपन्यास – स्नेहलता शर्मा

4 यशपाल के उपन्यास का विश्लेषणात्मक अध्ययन – सुदर्शन मल्होत्रा।

5 यशपाल और मानिक बंदोपाध्याय– डॉ0 सदाशिव द्विवेदी, सामाजिक प्रकाशन, दिल्ली।

# जैनेन्द्र

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

उपन्यास –परख, सुनीता, त्यागपत्र, अनाम स्वामी।

कहानी –जैनेन्द्र की सर्वश्रेष्ठ कहानियां (सभी कहानियां)।

निबंध –साहित्य का श्रेय व प्रेय, अकाल पुरुष गांधी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव

2 जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी परिकल्पना – डॉ0 अन्नपूर्णा सिंह

3 आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य और मनोविज्ञान – डॉ0 देवराज उपाध्याय।

4 आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास – अतुल वीर अरोड़ा।

5 कथाकार जैनेन्द्र – डॉ0 बच्चन सिंह

अमृतलाल नागर

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 'x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

शतरंज के मोहरे, सेठ बाँकेलाल, ये कोठे वालियां, बूँद और समुद्र, एकदा नैमिषारण्ये, अमृत और विष, करवट, पीढ़ियां

मेरी प्रिय कहानियां।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिन्दी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव – भारतभूषण अग्रवाल।

2 हिन्दी उपन्यास – रामदरश मिश्र

3 हिन्दी उपन्यास – सुषमा धवन।

4 आज का हिन्दी उपन्यास – इन्द्रनाथ मदान।

5 आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास – अतुल वीर अरोड़ा।

# रामधारी सिंह दिनकर

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 'x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्याश :

1 प्रतिनिधि कविताएँ
2 उर्वशी, रश्मिरथी, कुरुक्षेत्र,
3 दिनकर की डायरी,
4 पंत प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त,
5 संस्कृति के चार अध्याय

अनुशंसित ग्रंथ :

1 दिनकर–शिवबालक राय, यूनिवर्सल प्रेस, इलाहाबाद
2 कुरुक्षेत्र–मीमांसा–कांतिमोहन शर्मा, साहित्य प्रकाशन मंडल , नयी दिल्ली
3 दिनकर : एक पुनर्मूल्याकंन–विजेन्द्रनारायण सिंह
4 उर्वशी : उपलब्धि और सीमा– विजेन्द्रनारायण सिंह
5 कवि दिनकर –सं. डॉ0 सावित्री सिन्हा,
6 उर्वशी : विचार और विश्लेषण –वचनदेव कुमार

# फणीश्वर नाथ रेणु

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 उपन्यास : परती परिकथा, मैला आँचल, जुलूस
2 कहानी संग्रह : ठुमरी, एक श्रावणी दोपहरी की धूप, आदिम रात्रि की महक
3 रिपोर्ताज : ऋण जल धन जल

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रेणु से भेंट (साक्षात्कार) : सं. भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. श्रुत–अश्रुत पूर्व (निबंध) : रेणु, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
3. रेणु स्मृति ग्रन्थ (भाग 1) : पटना
4. सारिका : रेणु विशेषांक
5. सोने के कलमावाला हिरामन : फणीश्वरनाथ रेणु : राबिन शॉ पुष्प
6. फणीश्वरनाथ रेणु : कुसुम सोफट
7. फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्य : अंजली तिवारी
8. रेणु का आंचलिक कथा साहित्य : पूर्णदेव

# नागार्जुन

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X′ | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | ′x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघुउत्तरीय प्रश्न | – | 10 | ′x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 प्रतिनिधि कविताएँ –संपादक नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली
2 उपन्यास–रतिनाथ की चाची, बलचनमा, वरुण के बेटे, बाबा बटेसरनाथ

अनुशंसित ग्रंथ :

1 नागार्जुन का काव्य –अजय तिवारी
2 नागार्जुन संवाद–विजयबहादुर सिंह
3 प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल–रामविलास शर्मा
4 आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ–नामवर सिंह
5 रूपतरंग और प्रगतिशील कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि–रामविलास शर्मा
6 पेड़ का हाथ– विश्वनाथ त्रिपाठी
7 शब्द और मनुष्य– परमानंद श्रीवास्तव
8 समकालीन काव्ययात्रा–नंदकिशोर नवल
9 हिन्दी उपन्यास का इतिहास–गोपाल राय
10 एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी
11 कवि कह गया है– अशोक वाजपेयी
12 कविता और समय– अरुण कमल
13 कविता और संवेदना– विजय बहादुर सिंह

भीष्म साहनी

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 उपन्यास–तमस, मैय्यादास की माड़ी
3 आत्मकथा– आज के अतीत
4 नाटक–हानूश, कबिरा खड़ा बाजार में, माधवी
5 प्रतिनिधि कहानियाँ–राजकमल प्रकाशन

अनुशंसित ग्रंथ :


1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
2. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. रंग परम्परा – नेमिचन्द्र जैन
4. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
5. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ0 नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना
6. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
7. विवेक के रंग – देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
8. हिंदी उपन्यास – शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
9. अधूरे साक्षात्कार – नेमिचन्द्र जैन
10. कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. कहानी आंदोलन की भूमिका – बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
12. आज की हिंदी कहानी – विजय मोहन सिंह, दिल्ली
13. उपन्यास : स्थिति और गति– चंद्रकांत बॅड़दिवेकर

14. उपन्यास का इतिहास –गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

15. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

16. हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

17. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

18. नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ. रामकली सर्राफ

19. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

## रामविलास शर्मा

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 'x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्य पुस्तकें :

1 कविता संग्रह : रूपतरंग
2 आस्था और सौन्दर्य
3 परम्परा का मूल्यांकन
4 प्रेमचंद और उनका युग
5 हिन्दी आलोचना और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6 भारतीय साहित्य की भूमिका
7 निराला की साहित्य साधना
8 प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ

(नोट : व्याख्यायें 'निराला की साहित्य साधना' से नहीं पूछी जाएंगी।)

संदर्भ पुस्तकें :

1 हिन्दी आलोचना –विश्वनाथ त्रिपाठी
2 हिन्दी आलोचना का विकास–नंदकिशोर नवल
3 हिन्दी के प्रहरी–विश्वनाथ त्रिपाठी,अरुण प्रकाश
4 समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना– रामबक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
5 आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला

# नामवर सिंह

समय : तीन घंटे

| | | | |
|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X′ 10 = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 ′x 5 = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 ′x 1 = | 10 |
| | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 बकलम खुद
2 छायावाद
3 इतिहास और आलोचना
4 कविता के नए प्रतिमान
5 दूसरी परम्परा की खोज
6 वाद विवाद संवाद
7 कहानी नई कहानी
8 आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली

2 हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली

3 हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद

4 आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद

5 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

6 रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

7 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली

8 समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना :रामबक्ष

9 नामावर की धरती : श्रीप्रकाश शुक्ल, आधार प्रकाशन, पंचकूला

10 नामवर विमर्श : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली

11 नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा (सं. कमला प्रसाद ), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

12 आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला

# संतकाव्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1. गोरखबानी : सं0 डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
   (आरंभिक 75 सबदियां)।
2. संत काव्य संग्रह : (सं0 परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण, किताब महल, इलाहाबाद)–
   कबीर 21 से 40, नानक संपूर्ण, नामदेव संपूर्ण, रैदास संपूर्ण, सहजो संपूर्ण

अनुशंसित ग्रंथ :

1 नाथ सम्प्रदाय – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।

2 हिन्दी साहित्य में निर्गुण सम्प्रदाय – डॉ0 पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल।

3 सन्त साहित्य – डॉ0 राधेश्याम दूबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4 हिंदी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति – डॉ0 श्यामसुन्दर शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

(III) उत्तर भारत की सन्त परम्परा – डॉ0 परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल प्रयाग।

(IV) रहिये अपने गाँवाजी–मनोज कुमार सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी

# रीतिकाव्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 मतिराम ग्रंथावली (रसराज, छंद सं0 1 से 110 तक) – गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।

2 जगदविनोद – पद्माकर (छंद सं0 604 से लेकर 726 तक), वाणी वितान, काशी।

3 कविप्रिया – केशवदास (केवल नवम् प्रभाव), कल्याणदास एण्ड ब्रदर्स, ज्ञानवापी, वाराणसी।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

2 भारतीय साहित्य शास्त्र और काव्यालंकार – डॉ0 भोलाशंकर व्यास।

3 पद्माकर – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

4 रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना – डॉ0 बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

5 केशव का आचार्यत्व – डॉ0 विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

6 महाकवि मतिराम – डा0 त्रिभुवन सिंह, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

7 रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त – डॉ0 सूर्यनारायण द्विवेदी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

8 हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग–2– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी।

# छायावाद

समय : तीन घंटे

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' | 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x | 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x | 1 | = | 10 |
| | | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

1 लहर – जयशंकर प्रसाद (केवल प्रलय की छाया)

2 तुलसीदास, सरोज स्मृति–निराला

3 आधुनिक कवि – महादेवी वर्मा, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

( चुने हुए 10 गीत – निशा को धो देता राकेश, घोर तम छाया चारों ओर,
जिस दिन नीव तारों से, मुरिमा के मधु के अवतार, चुभते ही तेरा अरुण बान,
कह दे माँ क्या देखूँ, प्राणों के अंतिम पाहुन, क्या पूजन क्या अर्चन रे,
प्रिय सान्ध्य गगन, चिर सजग आँखे उनींदी, सो रहा है विश्व।)

4 आधुनिक कवि – पंत, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

(10 कविताएं चुनी हुई – उच्छ्वास की बालिका, मौन निमंत्रण, अनित्य जग,
निष्ठुर परिवर्तन, नित्य जग, चाँदनी, मानव, महात्माजी के प्रति, ताज,
कहारों का रूद्र नित्य)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 आधुनिक साहित्य – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी।
2 प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेम शंकर।
3 छायावाद – डॉ0 नामवर सिंह।
4 निराला की साहित्य साधना – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
5 नवजागरण और छायावाद – डॉ0 महेन्द्र नाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6 रचना प्रक्रिया और निराला – डॉ0 शिवकरन सिंह, संजय बुक सेन्टर, बुला नाला, वाराणसी।
7 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।

# स्वतंत्र्योतर हिन्दी कविता

समय : तीन घंटे

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 'x 1 | = | 10 |
| | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

काव्य नाटक : अंधा युग (धर्मवीर भारती)

1 त्रिलोचन : भाषा की लहरें, वही त्रिलोचन है, उस जनपद का कवि हूँ, प्यार, आज मैं अकेला हूँ, भोरई केवट के घर, बादलों में आग लग गई है दिन की, अवतरिया।

2 केदारनाथ अग्रवाल : यह धरती है उस किसान की, कभी नहीं जनता मरती है, जन्मभूमि पर यदि आएगा डालर, आग लगे इस समाज में, एक हथौड़े वाला घर में और हुआ, धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने, आज नदी बिल्कुल उदास थी, माझी न बजाओ बंशी।

3 रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरुद्ध, दो अर्थ का भय, हँसो हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गए हैं, आपकी हँसी, पढ़िये गीता, चढ़ती स्त्री, अतुकान्त चन्द्रकांत।

4 श्रीकांत वर्मा : पाटलिपुत्र, काशी में शव, काशी का न्याय, हस्तिनापुर का रिवाज, बसंतसेना, बुद्धकालीन गणिका का स्वप्नभंग, शकटार, तीसरा रास्ता, धर्म युद्ध, हस्तक्षेप (मगध )।

5 आलोक धन्वा : जनता का आदमी, ब्रूनो की बेटियाँ।

6 नरेश मेहता : समय देवता।

7 विनोद कुमार शुक्ल : लड़की हरे भरे पेड़ देखती है, जो मेरे घर कभी नहीं आएँगे, जंगल के दिन भर के सन्नाटे में, दूर से अपना घर देखना चाहिए, ऐसे छोटे बच्चे से लेकर, हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था, एक विशाल चट्टान के ऊपर, अपने हिस्से में लोग आकाश देखते हैं।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

2 कविता और समाज : अरुण कमल , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

3 मेरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, राधकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

4 कवियों की पृथ्वी : अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, नयी दिल्ली

5 साठोत्तरी हिन्दी कविता में लोक सौन्दर्य : श्रीप्रकाश शुक्ल, लोक भारती , इलाहाबाद

6 आधुनिकता और उपनिवेश : कृष्णमोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

7 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

8 कविता का जनपद : सं. अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

9 समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

10 कविता : पहचान का संकट : नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

11 कविता और संवेदना : विजय बहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन

12 बीसवीं सदी के अंत में हिन्दी कहानी : नीरज खरे, क्लासिकल पब्लिसिंग कंपनी, नयी दिल्ली

13 उपन्यास और प्रतिरोध : विनोद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

14 साठोत्तरी कविता : परिवर्तित दिशायें : विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान

15 धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता : श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद

16 हिन्दी की प्रगतिशील कविता : लल्लन राय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़

17 नयी कविता का समाजशास्त्र : मनोज कुमार सिंह, तथागत प्रकाशन वाराणसी

# स्वतंत्र्योत्तर कथा साहित्य

समय : तीन घंटे

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चार आलोचनात्मक प्रश्न | – | 4 | X' 10 | = | 40 |
| चार सप्रसंग व्याख्या | – | 4 | 'x 5 | = | 20 |
| दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न | – | 10 | 'x 1 | = | 10 |
| | | | | | 70 (पूर्णांक) |

पाठ्यांश :

उपन्यास :

(1) तमस : भीष्म साहनी
(2) काला जल : शानी
(3) नौकर की कमीज : विनोद कुमार शुक्ल
(4) आवाँ : चित्रा मुद्गल

कहानी

(1) हत्यारे : अमरकांत
(2) रसप्रिया : रेणु
(3) एक और जिन्दगी : मोहन राकेश
(4) यारों के यार : कृष्णा सोबती
(5) जहाँ लक्ष्मी कैद है : राजेन्द्र यादव
(6) वापसी : उषा प्रियंवदा
(7) खोयी हुई दिशायें : कमलेश्वर
(8) फट जा ओ पंचधार : विद्यासागर नौटियाल
(9) पिता : ज्ञानरंजन
(10) अपना रास्ता लो बाबा : काशीनाथ सिंह
(11) मोहनदास : उदय प्रकाश
(12) कसाईबाड़ा : शिवमूर्ति

अनुशंसित ग्रंथ :

1 विवेक के रंग – देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

2 हिंदी उपन्यास – शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी

3 अधूरे साक्षात्कार – नेमिचन्द्र जैन

4 कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

5 कहानी आंदोलन की भूमिका – बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

6 आज की हिंदी कहानी – विजय मोहन सिंह, दिल्ली

7 उपन्यास : स्थिति और गति– चंद्रकांत बॅड़दिवेकर

8 उपन्यास का इतिहास –गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

9 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

10 हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

11 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

12 नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ. रामकली सर्राफ

13 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

# स्त्री अध्ययन और साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न — 4 x 10 = 40

चार लघुउत्तरीय प्रश्न — 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न — 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. स्त्री की विशिष्ट जैविकता और 'अबलापन' का मिथ, मातृसत्तात्मक समाज, पितृसत्ता की अवधारणा, पुरुष प्रधान सामाजिक संरचना में स्त्री, परिवार का संगठन और स्त्री श्रम, सामाजिक अनुकूलन में धर्म, समाज एवं परिवार की भूमिका, स्त्री यौनिकता, सेक्स बाजार और स्त्री, पूँजीवाद, आधुनिकता और स्त्री, स्त्रीवाद की आवधारण, स्त्रीवादी आंदोलन, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और स्त्री, श्रमिक स्त्री, दलित स्त्री, आदिवासी स्त्री
2. आधुनिक समय में स्त्री–मुक्ति संबंधी चिंतन–जॉन स्टुअर्ट मिल, लेनिन, सीमोन द बोउवार, जर्मेन ग्रियर, मैरी वोल्टनक्राफ्ट, महादेवी वर्मा।
3. पाठ : उपन्यास : 1. आवाँ (चित्रा मुद्गल)
   2. माई (गीतांजलि श्री)
   3. कठगुलाब (मृदुला गर्ग)
4. पाठ : आत्मकथा : अन्या से अनन्या (प्रभा खेतान)
5. कविता : कहती हैं औरतें (सं. अनामिका)
6. चिंतन : शृंखला की कड़ियाँ (महादेवी वर्मा)

नोट : प्रथम 2 इकाइयों से तीस अंक एवं अंतिम 4 इकाइयों से चालीस अंकों के प्रश्न पूछे जाएँगे। व्याख्यायें नहीं पूछी जाएँगी।

अनुशंसित ग्रंथ :


1. नारी शोषण, आईने और आयाम : आशारानी व्होरा, नेशनल पब्लिकेशन हाउस , नई दिल्ली
2. देह की राजनीति से देश की राजनीति तक : मृणाल पाण्डे, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. स्त्री उपेक्षिता, सिमोन द बोउवार : अनु. प्रभा खेतान, हिन्द पाकेट बुक्स
4. आज की अम्रपाली : सरला मुद्‌गल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. औरत होने की सजा : अरविन्द जैन, विकास पेपर बैक, दिल्ली
6. स्त्री के लिए जगह : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. औरत के हक में : तसलीमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डे, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
9. समान नागरिक संहिता : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आधी जमीन : उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन
11. दुर्ग द्वार पर दस्तक : कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ
12. अश्लीलता पर हमला : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. उठो अन्नपूर्णा साथ चलें : उषा महाजन, हिमांचल पुस्तक भंडार
15. चुकते नहीं सवाल : मृदुला गर्ग, सामयिक प्रकाशन
16. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
17. स्त्री का समय : क्षमा शर्मा, मेधा बुक्स
18. हव्वा की बेटी : दिव्या जैन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
19. औरत : अस्तित्व और अस्मिता : अरविन्द जैन, सांराश प्रकाशन
20. स्त्री देह के विमर्श : सुधीश पचौरी, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
21. आदमी की निगाह में औरत : राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
22. बन्द गलियों के विरुद्ध : सं. मृणाल पाण्डे एवं क्षमा शर्मा
23. इक्कीसवीं सदी की ओर : सुमन कृष्णकान्त, राजकमल प्रकाशन
24. संघर्ष के बीच : संघर्ष के बीज : सं. इलीना सेन, सारांश प्रकाशन

25. विद्रोही स्त्री : जर्मेन ग्रियर, अनु. मधु. बी. जोशी, राजकमल प्रकाशन

26. नारीवादी विमर्श : राकेश कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकूला

27. न्याय क्षेत्रे : अन्याय क्षेत्रे : अरविन्द जैन, राजकमल प्रकाशन

28. जीवन की तनी डोर पर ये स्त्रियाँ : नीलम कुलश्रेष्ठ, मेधा बुक्स

29. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार (अनुवाद), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

30. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन

31. स्वागत है बेटी : विभा देवसरे, मेधा बुक्स

32. हम सभ्य औरतें : मनीषा, सामयिक प्रकाशन

33. उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन

34. परिवार निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति : फ्रेडरिक एंगेल्स, प्रकाशन संस्थान

35. ओ उब्बीरी : मृणाल पाण्डे, राधाकृष्ण प्रकाशन

# दलित अध्ययन और साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. वर्ण व्यवस्था में शूद्र, प्राचीन भारत में शूद्रों की सामाजिक–आर्थिक भागीदारी, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ण में जातियों का महाजाल और स्तर भेद, स्वतंत्रता संघर्ष और नवजागरण में दलित प्रश्न, अंबेडकर के क्रांतिकारी प्रयास, शूद्र हरिजन या दलित, दलित : वर्ग या वर्ण, आधुनिकता और दलित।
2. भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित नवजागरण, भारतीय लोकतंत्र में दलित राजनीति, दलित स्त्रियाँ, दलित वैचारिकी।
3. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित मुक्ति आन्दोलन और भक्ति साहित्य, दलित साहित्य के लिए वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य की अवधारणा, दलित साहित्य के मुख्य सरोकार, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।
4. आत्मकथायें – जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि), अपने अपने पिंजरे (मोहनदास नैमिशराय), तिरस्कृत (सूरजपाल चौहान)
5. पाठ : दलित वैचारिकी का आधार : – ज्योतिबा फूले, बी. आर. अंबेडकर, कांशीराम
6. कहानियाँ : दलित कहानी संचयन (सं. रमणिका गुप्ता)।

नोट : प्रथम तीन इकाइयों से तीस अंक एवं अंतिम तीन इकाइयों से चालीस अंकों के प्रश्न पूछे जाएँगे। व्याख्यायें नहीं पूछी जाएँगी।

अनुशंसित ग्रंथ :


1. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले
2. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
3. दलित डायरी : चन्द्रभान प्रसाद
4. कबीर के आलोचक : डॉ. धर्मवीर
5. कबीर के कुछ और आलोचक : डॉ. धर्मवीर
6. सूत न कपास : डॉ. धर्मवीर
7. कबीर और रामानंद : किंवदन्तियां : डॉ. धर्मवीर
8. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का प्रक्षिप्त चिंतन और संत रैदास का निवर्ण सम्प्रदाय : डॉ. धर्मवीर
9. कबीर : बाज भी कपोत भी पपीहा भी : कंवल भारती
10. संत रैदास का विश्लेषण : डॉ. धर्मवीर
11. लोकतंत्र में भागीदारी का सवाल और दलित साहित्य की भूमिका : जयप्रकाश कर्दम
12. दलित साहित्य में सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना : श्योराज सिंह बेचैन
13. हिन्दी दलित पत्रकारिता पर अम्बेडकर का प्रभाव : श्योराज सिंह बेचैन
14. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग : कुसुम मेघवाल
15. इक्कीसवीं सदी में अम्बेडकर : डॉ. रघुवीर सिंह
16. दलित कहाँ जायें : जियालाल आर्य
17. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में : डॉ. चमनलाल
18. स्वतंत्रता संग्राम के दलित क्रांतिकारी : मोहनदास नैमिशराय
19. दलित साहित्य रचना और विचार : पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी
20. आज का दलित साहित्य : डॉ. तेज सिंह
21. चिंतन की परम्परा और दलित साहित्य : डॉ. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. देवेन्द्र चौबे
22. दलित दखल : (सं.) डा. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. रजत रानी मीनू
23. धर्मांतरण और दलित : (सं.) जयप्रकाश कर्दम
24. दलित विमर्श : सन्दर्भ गाँधी : गिरिराज किशोर
25. दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद : (सं.) सदानंद साही

# साहित्य और हिन्दी सिनेमा

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश

1. सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतांत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।.

2. हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और सामानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।

3. साहित्य और सिनेमा : अंर्त संबंध : सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीकी उलझनें।

4.पाठ – पाठांतर (नाटक) : मृच्छकटिक(शूद्रक) – उत्सव (गिरीश कर्नाड)
यहूदी की लड़की (आगा हश्र कश्मीरी)– यहूदी की लड़की (विमल राय)
मैकबेथ (शेक्सपियर) –मक़बूल (विशाल भारद्वाज)
फ़ादर (स्टिंडवर्ग)– पिता (गोविन्द निहलानी)
लेडी अल्वास हाउस (लोर्का) –रुकमावती की हवेली (गोविन्द निहलानी)

5. पाठ– पाठान्तर (कथा) : दुविधा (विजयदान देथा) – पहेली (अमोल पालेकर)
सद्गति (प्रेमचंद) – सद्गति (सत्यजित राय)
यही सच है (मन्नू भंडारी) – रजनीगंधा

तिरिया चरित्तर (शिवमूर्ति) – तिरिया चरित्तर (बासु भट्टाचार्य)

6.पाठ– पाठान्तर (उपन्यास) : गोदान (प्रेमचंद)

चित्रलेखा (भगवती चरण वर्मा)

तमस (भीष्म साहनी)

नौकर की कमीज (विनोद कुमार शुक्ल)

ट्रेन टू पाकिस्तान (खुशवंत सिंह)

पिंजर (अमृता प्रीतम)

नोट : प्रथम तीन इकाइयों से तीस अंक एवं अंतिम तीन इकाइयों से चालीस अंकों के प्रश्न पूछे जाएँगे। व्याख्यायें नहीं पूछी जाएँगी।

अनुशंसित ग्रंथ :


1 जवरीमल्ल पारख, जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र, अनामिका पब्लिशर्स
2 रामअवतार अग्निहोत्री, आधुनिक हिन्दी सिनेमा का सामाजिक व राजनीतिक अध्ययन, कॉमनवेल्थ पब्लिशर्स
3 जवरीमल्ल पारख, लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स
4 विजय अग्रवाल, आज का सिनेमा, नीलकंठ प्रकाशन
5. जवरीमल्ल पारख, हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
6. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स,
7. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन,
8. विनोद भारद्वाज, नया सिनेमा, रूपा एंड कंपनी,
9. विजय अग्रवाल, सिनेमा की संवेदना, प्रतिमा प्रतिष्ठान,
10. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
11. प्रहलाद अग्रवाल, आधी हकीकत आधा फसाना, राजकमल प्रकाशन प्रा0लि0, नई दिल्ली
12. विष्णु खरे, सिनेमा पढ़ने के तरीके, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. चिदानन्द दासगुप्ता, सत्यजीत राय का सिनेमा, नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली,
12. विनोद भारद्वाज, नया सिनेमा, रूपा एंड कंपनी, नई दिल्ली
13. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, दिल्ली
15. तारकोवस्की, अनंत में फैलते बिंब, संवाद प्रकाशन, मुंबई : मेरठ
16. जवरीमल्ल पारख ; जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र ; अनामिका पब्लिशर्स दिल्ली
17. जगदीश्वर चतुर्वेदी, जनमाध्यम और मास कल्चर ; सारांश प्रकाशन नई दिल्ली

# हिन्दी भाषा शिक्षण

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1– भाषा–शिक्षण के विविध आयाम : भाषा और शिक्षण का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संदर्भ, मातृभाषा शिक्षण, द्वितीय भाषा शिक्षण, विदेश भाषा–शिक्षण।

2– भाषा–शिक्षण विधि : भाषा अधिनियम और भाषा–शिक्षण, भाषा–शिक्षण की प्रविधियाँ – व्याकरण, अनुवाद, विविध प्रत्यक्ष विधि, वार्तालाप विधि, सांचा अभ्यास विधि, श्रव्य–दृश्य आदि, विभिन्न विधियों की सार्थकता और सीमाएं।

3– बोधन क्षमता : सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पाँच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।

4– वाचन दक्षता : सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पाँच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।

5– लेखन दक्षता : लिपि, वर्तनी, लेखन विकास के पाँच चरण, सभी चरणों के अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।

6– अभिव्यक्ति दक्षता : सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पाँच चरण, सभी चरणों में अभ्यास, अशुद्धियाँ, सहायक सामग्री।

7– भाषा का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ :
भाषा और संस्कृति, भाषा और परिवेश, सहायक पुस्तकें।

8– तकनीकी उपकरण और भाषा : प्रयोगशाला : श्रव्य–दृश्य उपकरण : सामान्य परिचय, भाषा प्रयोगशाला – प्रकार एवं प्रयोजन भाषा प्रयोगशाला द्वारा शिक्षण, टेपांकित पाठ और उसके घटक।

9– भाषा परीक्षण : मूल्यांकन की संकल्पना, मूल्यांकन के प्रकार, मूल्यांकन पद्धति, एकल मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन, प्रश्नपद और उसके प्रकार, मूल्यांकन में श्रुत–लेख एवं निकट (क्लोज) परीक्षण।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

2– भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण – किशोरी लाल शर्मा, केन्द्रीय संस्थान, आगरा।

3– अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष – अमर बहादुर सिंह, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

4– फारेन लेंग्वेज लर्निंग– ए0 एल0 नौवरी, हाऊस पब्लिशर्स यू0 एस0 ए0।

5– भाषा–शिक्षण : कुछ नए विचार बिन्दु – इन्दिरा नुपुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

6– हिंदी भाषा–शिक्षण – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।

7– भाषा–शिक्षण – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, मैकमिलन, दिल्ली

8– हिंदी भाषा : संरचना और प्रयोग – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

9– प्रयोग और प्रयोग – डॉ0 जगन्नाथ, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली।

10– भाषा–शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – डा0 ब्रजेश्वर वर्मा एवं एन0 वी0 राजगोपालन, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

11– हिन्दी भाषा–शिक्षण : डॉ0 रंगनाथ पाठक, प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, लंका, वाराणसी।

12– भाषा विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र – डा. कपिलदेव द्विवेदी

13– अर्थविज्ञान एवं व्याकरण दर्शन – डा. कपिलदेव द्विवेदी

14– हिन्दी–भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी

15– लिपि, वर्तनी और भाषा – डॉ. बद्रीनाथ कपूर

16– भाषाशास्त्र तथा हिन्दी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री

17– हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना – डॉ. अर्जुन तिवारी

18– हिन्दी भाषा साहित्य और नागरी लिपि – डॉ. कन्हैया सिंह

19– हिन्दी भाषा (भाग–1) – डॉ. कन्हैया सिंह

# अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1– अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा।

अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विधा।

2– अनुवाद–प्रक्रिया : विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन।

कोडीकरण : प्रक्रिया और महत्व, पुनरीक्षण।

3– अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धान्त।

अनुवादक की भूमिका।

4– अनुवाद : भाषा वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ।

5– अनुवाद के प्रकार :

लिप्यंकन, लिप्यंतरण, अंतःभाषिक, अंतरभाषिक, रूपांतरण अथवा प्रतीकांतर, अर्थांतरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, पाठधर्मी और प्रभावधर्मी अनुवाद, आशु अनुवाद।

साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्य रूपांतरण।

मशीनी अनुवाद : स्थिति, संभावनाएँ और सीमाएँ।

6– अनुवाद का अनुप्रयुक्त पद और समस्याएँ :

कोश का प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद, कार्यालयी सामग्री का अनुवाद, समाचारों का अनुवाद, बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद।

7– अनुवाद की सीमाएँ : भाषिक संरचना और शैली, सांस्कृतिक शब्दावली, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे, लाक्षणिक प्रयोग, साहित्यिक एवं साहित्येतर।

8– अनुवाद की भारतीय और पाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय।

खण्ड 'ख' : अनुवाद व्यवहार

1– अंग्रेजी से हिन्दी (एक अनुच्छेद)
(सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक विषयों से सम्बद्ध अनुच्छेद अथवा पत्र–पत्रिकाओं की सामग्री से सम्बद्ध अनुच्छेद)।

2– वाक्यांश और शब्दावली का अनुवाद – 10 वाक्यांश अथवा 15 शब्द।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– अनुवाद विज्ञान – डा0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार।

2– कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, गोस्वामी, गुलाटी, शब्दकार।

3– अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – प्रो0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

4– कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका – गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन।

5– अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग – श्री गोपीनाथन।

6– अनुवाद कला – डा0 एन0 ई0 विश्वनाथ अय्यर।

7– अनुवाद कला : डा0 विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

8– अनुवाद : सिद्धान्त एवं समस्याएँ – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

9– अनुवाद कला विचार – आनंद प्रकाश शिवाजी, एस0 चांद एण्ड कं0 दिल्ली।

10– हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली।

11– अनुवाद प्रक्रिया – रीतारानी पालीवाल – साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली।

12– अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

# प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1– मातृभाषा एवं अन्यभाषा के रूप में हिन्दी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।

2– हिंदी भाषा की सामाजिक शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी,
मौलिक और लिखित हिंदी, हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास,
मानक हिन्दी की संकल्पना, हिंदी का मानकीकरण।

3– हिंदी के प्रयोग–क्षेत्र : भाषा–प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता क्षेत्र, वार्ता प्रकार और वार्ता शैली के आधार पर हिंदी की प्रमुख प्रवृत्ति, क्षेत्र, साहित्यिक हिंदी बनाम प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता।

4– प्रयोजनमूलक हिन्दी : कुछ प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वृत्तिपरक हिंदी (लुहार, कुम्हार, सोनार आदि से संबंधित प्रयुक्तियाँ), व्यावसायिक हिंदी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, विज्ञान की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण।

खण्ड (ख)

5– भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक हिंदी में सार–लेखन, हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण की प्रवृत्तियां, विज्ञान, प्रस्तुति, वृत्तिपरक लेखन।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– प्रयोजनमूलक हिंदी – डा0 दंगल झाल्टे।

2– कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू कंसल।

3– कामकाजी हिंदी – डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया।

4– हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी– पद्म सिंह शर्मा।

5– व्यावहारिक हिंदी – कृष्ण विकल।

6– हिंदी का सामाजिक संदर्भ – डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

7– राष्ट्रभाषा और हिंदी – डॉ0 राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

8– भाषा आन्दोलन – सेठ गोविन्ददास, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

9– हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका – डॉ0 भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शनी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास।

10– सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11– प्रयोजनमूलक हिन्दी – डा0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

12– प्रशासनिक हिंदी निपुणता – हरिबाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

13– आवेदन प्रारूप – डॉ0 एस0 एन0 चतुर्वेदी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

14– कार्यालयी हिन्दी – डॉ. विजयपाल सिंह

15– प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और व्यवहार – रघुनंदन प्रसाद शर्मा

# बोली विज्ञान एवं सर्वेक्षण पद्धति

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 × 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 × 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 × 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

## खण्ड– क

1– बोली एवं भाषा : बोली, बोली के विविध रूप– व्यक्ति बोली, वर्ग बोली (सोसियोलेक्ट), बोली एवं भाषा, बोली विज्ञान – परिभाषा, स्वरूप एवं मानकीकरण।

2– बोली–निर्धारण : बोधगम्यता, सरल भाषा–सम्बन्ध (एलसिंपलेक्स एवं एलकांप्लेक्स), सरल भाषा संबंध एवं जटिल भाषा संबंध, संकेत नाद, उभयनिष्ठ अंतर्भाग, अर्द्ध द्विभाषिकता, समवेशक प्रतिमान, शब्द समूह, व्याकरणिक रूपों की समानता, बोली निर्धारण की समस्याएं।

3– बोली–भूगोल : नामकरण, बोली मानचित्रावली निर्माण–पद्धति, भेद–ध्वन्यात्मक, रूप प्रक्रियात्मक, वितरण विधि – बिन्दु विधि, रंगक विधि, समरेख विधि, आंकिक विधि, समभाषांश, सीमारेखा, समभाषांश रेखासमूह, समध्वनि सीमारेखा, केन्द्रीय क्षेत्र, अवशिष्ट क्षेत्र, संक्रमण क्षेत्र।

4– सर्वेक्षण पद्धति : सर्वेक्षण– परिभाषा, स्वरूप, सर्वेक्षण विधि, एक भाषिक, विभाषिक सर्वेक्षण, स्थान, समुदाय चुनाव के आधार, सर्वेक्षक योग्यता, सर्वेक्षक एवं सूचक, सूचक चयन प्रणाली – गुण, प्रश्नावली निर्माण, सामग्री संकलन– पद्धति, अवधि आदि, सामग्री अंकन, आगत शब्दावली, संकलित शब्दावली, संकलित सामग्री विश्लेषण पद्धति।

## खण्ड – 'ख'

5– बोली विज्ञान : अनुप्रयोग– अपने भाषायी क्षेत्र के बोली विशेष के सर्वेक्षण एवं उसके विश्लेषण की समस्याएँ तथा समाधान।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ0 राजमणि शर्मा

2– भाषा भूगोल – डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया।

3– नागपुरी भाषा – डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी।

4– भोजपुरी भाषा और साहित्य – डॉ0 उदयनारायण तिवारी।

5– बुलन्दशहर एवं खुर्जा तहसीलों की बोलियों का समकालिक अध्ययन – डॉ0 महावीर शरण जैन।

6– लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया (सभी भाग) – डॉ0 जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन।

7– आगरा जिले की बोली – रामस्वरूप चतुर्वेदी।

8– भोजपुरी और हिन्दी – डॉ. शुकदेव सिंह

9– भाषा विज्ञान – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

# हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास और सिद्धान्त

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न — 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न — 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न — 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

इतिहास :

भारतीय नवजागरण : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य । माध्यम तकनीकी का प्रसार और यूरोपीयों की पत्रकारिता। भाषायी और हिन्दी पत्रकारिता का उदय एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण में उनकी भूमिका।

हिन्दी पत्रकारिता का विकास और भारतेन्दु युग : विचारधारा, भाषा एवं पत्रकारिता के स्वरूप के समेकन का युग।

मालवीय, तिलक और द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता : युगीन प्रवृत्तियाँ, विचारधारात्मक संघर्ष और भाषायी अभिलक्षण।
हिन्दी भाषा एवं लिपि के मानकीकरण की प्रक्रिया और साहित्यिक पत्रकारिता का विकास ।

गाँधीयुगीन हिन्दी पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ । शासन का शिकंजा और क्रान्तिकारी पत्रकारिता, भारतीय मुक्ति संग्राम में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका ।

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता : पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यावसायिक पूँजी का प्रवेश और प्रतिष्ठानी पत्र–पत्रिकाओं का उत्तरोत्तर विकास। सेंसरशिप और आपातकाल। भूमंडलीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हिन्दी पत्रकारिता समकालीन इलेक्ट्रानिक चैनली पत्रकारिता।

सिद्धान्त :

समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न स्रोत। भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि, शीर्षक कला, फीचर–लेखन–स्वरूप और उद्देश्य, समाचार लेख संपादन, संपादकीय लेख तथा टिप्पणियों का लेखन,

अनुशंसित ग्रंथ :

1– हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास – अम्बिका प्रसाद वाजपेयी

2– संपूर्ण पत्रकारिता – हेरम्ब मिश्र

3– पत्र और पत्रकार – कमलापति त्रिपाठी

4– हिंदी पत्रकारिता – डॉ0 कृष्ण बिहारी मिश्र

5– संपादन कला – के0 पी0 नारायण

6– पत्रकार कला – के0 पी0 नारायण

7– पत्र संपादन कला – नन्द किशोर त्रिखा

8– मुद्रण कला – प्रफुल्लचन्द्र ओझा मुक्त

9– हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – सं0 वेद प्रताप वैदिक

10– हिंदी प्रकारिता : संकट और संत्रास – श्री हेरम्ब मिश्र।

11– संपूर्ण पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी

12– आधुनिक पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी

13– जनसंपर्क : सिद्धान्त और व्यवहार – डॉ. अर्जुन तिवारी, विमलेश तिवारी

14– जनसंपर्क : सिद्धान्त एवं भाषा विमर्श – डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. राजेश नारायण द्विवेदी

15– संसद और संवाददाता – ललितेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव

16– समाचार और संवाददाता – काशीनाथ गोविन्दजोगलेकर

हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1– भारत दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

2–स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद

3– आधे– अधूरे : मोहन राकेश

4–सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक : सुरेन्द्र वर्मा

5–माधवी –भीष्म साहनी

6– एक औरत हिपेशिया भी थी : हबीब तनवीर

7– यमगाथा – दूधनाथ सिंह

8– जिन लाहौर नहिं वेख्या : असगर वजाहत

अनुशंसित ग्रंथ


1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
2. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. रंग परम्परा – नेमिचन्द्र जैन
4. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
5. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
6. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ0 नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना
7. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि –रा. ना. वि. नयी दिल्ली
8. जयशंकर प्रसाद : रंगसृष्टि –रा. ना. वि. नयी दिल्ली
9. रंग हबीब – भारतरत्न भार्गव रा. ना. वि. नयी दिल्ली

10. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

11. मोहन राकेश : आभा गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

12. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी

# हिंदीतर एवं देशांतर क्षेत्रों का हिंदी साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1– हिंदी का राष्ट्रीय सांस्कृतिक परिवेश

2– दक्षिण भारतीय हिंदी रचनाकार

3– भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के हिन्दी रचनाकार

4– भारत के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के हिन्दी रचनाकार

5– देशान्तर के विशिष्ट हिंदी रचनाकार

6– विदेशों में हिन्दी पठन–पाठन की स्थिति

7– देशान्तर में अनूदित हिंदी साहित्य

8– विदेशों में हिंदी पत्र–पत्रिकाएं

9– हिन्दीतर क्षेत्रों के हिन्दी प्रचारक संस्थान

10– सुदूर अंचलों में हिंदी प्रचार तथा सर्जनात्मक लेखन की व्यावहारिक समस्याएं

10– सुदूर अंचलों में हिंदी प्रचार तथा सर्जनात्मक लेखन की व्यावहारिक समस्याएं

11– विश्वभाषा के रूप में हिंदी का भविष्य।

अनुशंसित ग्रंथ :

1– हिंदी साहित्य का वृहद् इतिहास (भाग 15) : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2– हिंदी साहित्य को हिन्दीतर भाषियों की देन : मासिक मुहम्मद, राजपाल ऐंड संस, दिल्ली।
3– हिंदी को केरलियों की देन – जी0 गोपीनाथन, राजकमल, दिल्ली।
4– राष्ट्र भारती को केरला का योगदान – एस0 ई0 विश्वनाथ अय्यर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5– दक्षिण के हिंदी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहास – पी0 के0 केशवन नायर, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
6– हिन्दी–भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी

# भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

क– वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उनका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, महाभारत, पुराण का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उनका प्रभाव।

ख– बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदांत – शंकर, रामानुज, वल्लभ आदि मध्यकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव।

ग– भागवत सम्प्रदाय, वैष्णव मत– मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव, इस्लाम और सूफीमत – उसका भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव, भक्ति आंदोलन और भारतीय साहित्य।

घ– स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव। भारतीय साहित्य पर राष्ट्रीयता, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का प्रभाव।

ड़– आधुनिक युग में भारतीय साहित्य

निर्धारिक पुस्तकें :

1 गीतांजलि – रवीन्द्रनाथ टैगोर, अनुवाद : प्रयाग शुक्ल, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर

2 सुब्रह्मण्य भारती की कविताएँ– एन. सी. ई. आर. टी, नयी दिल्ली

3 उज्जयिनी – ओ. एन. वी. कुरूप, अनुवाद : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर साहित्य भंडार, इलाहाबाद

अनुशंसित ग्रंथ :

1– भारतीय साहित्य – डॉ0 भोला शंकर व्यास।

2– संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय।

3– भारतीय दर्शन – डॉ0 बलदेव उपाध्याय।

4– भागवत सम्प्रदाय – डॉ0 बलदेव उपाध्याय।

5– सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 रामपूजन तिवारी।

6– संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर।

7– भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेन्द्र

8– भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं – डॉ0 रामविलास शर्मा।

9– भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन।

10– आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवण।

11– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी

12– वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कपिल देव द्विवेदी

# लोक साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 x 10 = 40

चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 x 5 = 20

दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 10 x 1 = 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1– लोक साहित्य – परिभाषा एवं स्वरूप

2– लोक साहित्य – अध्ययन का इतिहास

3– लोक साहित्य के रूप

4– हिंदी का लोक साहित्य

(मुख्यतः भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, मगही, मैथिली, लोक साहित्य का आँकलन)

अनुशंसित ग्रंथ :

1– लोक साहित्य विज्ञान – सत्येन्द्र, शिवलाल ऐंड कंपनी, आगरा।

2– लोक साहित्य की भूमिका – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

3– लोक साहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पांडेय, लोकभारती, इलाहाबाद

4– हिंदी साहित्य का वृहद् इतिहास (सोलहवाँ भाग) – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

5– ग्रामगीत – रामनरेश त्रिपाठी, हिंदी मंदिर, प्रयाग।

6– भोजपुरी और हिन्दी – डॉ. शुकदेव सिंह

7– भोजपुरी लोक साहित्य– डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

8– गंगाघाटी के गीत – डॉ. हीरालाल तिवारी

9– लोकगीतों के संदर्भ और आयाम – डॉ. शान्ति जैन

10– बदमाश दर्पण (तेग़ अली) – सं. श्री नारायणदास

11– पुरइन–पात (भोजपुरी साहित्य संचयन) – डॉ. चितरंजन मिश्र